भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
26.03.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 4148 का उत्तर

मैंगलोर रेल प्रशासन का पुनर्गठन

4148. कैप्टन बृजेश चौटा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को दक्षिण पश्चिम रेल के मैसूर मंडल के अंतर्गत मैंगलोर रेल प्रशासन को शामिल करके पुनर्गठित करने के लिए कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार ने मैंगलोर रेल प्रशासन को दक्षिण रेल (पालघाट मंडल) से दक्षिण पश्चिम रेलवे (मैसूर मंडल) में स्थानांतरित करने के संभार और परिचालन संबंधी लाभ का आकलन किया है;
(घ) क्या दक्षिण कन्नड़ में यात्री सुविधा और माल ढुलाई पर वर्तमान तीन-क्षेत्राधिकार मंडलों (दक्षिण रेल, कोंकण रेल और दक्षिण पश्चिम रेल) के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए कोई अध्ययन किया गया है;
(ङ) यदि हां, तो ऐसे अध्ययनों के प्रमुख निष्कर्ष और सिफारिशें क्या हैं; और
(च) क्या सरकार का मैंगलोर में रेल सेवाओं के लिए प्रशासनिक दक्षता और पहुंच में सुधार के लिए कोई उपाय करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): भारतीय रेल के वृहत्त रेल नेटवर्क को ज़ोनों और मंडलों में विभाजित किया गया है। किसी रेलवे ज़ोन/मंडल का क्षेत्राधिकार का निर्णय प्रणाली की

कार्यकुशलता में सुधार करने की दृष्टि से मितव्ययिता और कुशलता से संबंधित आवश्यकताओं, यातायात के सुचारू परिचालन और बेहतर नियंत्रण की व्यवस्था के अनुरूप परिचालनिक एवं प्रशासनिक आवश्यकताओं के आधार पर किया जाता है।

भारतीय रेल में कई ऐसे स्थान हैं, जहां तीन ज़ोन/मंडल हैं। यात्री और मालगाड़ियों के परिचालन की मंडल, ज़ोन और रेलवे बोर्ड स्तर पर निरंतर निगरानी की जाती है ताकि निर्बाध और कुशल रूप से रेलगाड़ी परिचालन सुनिश्चित हो सके।

वर्तमान में, मंगलूरु जंक्शन स्टेशन को 80 नियमित रेलगाड़ी सेवाओं द्वारा सेवित किया जा रहा है और मंगलुरु सेंट्रल स्टेशन को 56 नियमित रेलगाड़ी सेवाओं द्वारा सेवित किया जा रहा है। मंगलुरु क्षेत्र में रेल सेवाओं की प्रशासनिक कुशलता और सुलभता में सुधार करने के लिए कई उपाय किए गए हैं जिनमें निम्नानुसार शामिल हैं :-

(i) 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के अंतर्गत कर्नाटक राज्य में 61 स्टेशनों की पहचान की गई है। इनमें 4 स्टेशन अर्थात् बंटवाल, मंगलूरु सेंट्रल, मंगलूरु जंक्शन और सुब्रमण्य रोड हैं जो मंगलूरू क्षेत्र सहित दक्षिण कर्नाटक जिले में हैं। इन स्टेशनों पर कार्यों की प्रगति निम्नानुसार है:

- मंगलूरु जंक्शन स्टेशन पर, अतिरिक्त प्लेटफॉर्म शेल्टर, दुपहिया और चौपहिया वाहन पार्किंग क्षेत्र में सुधार का कार्य पूरा किया जा चुका है। परिचलन क्षेत्र में सुधार, सड़क कार्य, स्टेशन को ऊंचा करना, पार्सल कार्यालय का निर्माण, प्रवेश द्वार मेहराब, वातानुकूलित प्रतीक्षालय, नए ऊपरी पैदल पार पुल के निर्माण संबंधी कार्य शुरू किए गए हैं।
- बंटवाल स्टेशन पर, पहुंच मार्ग का सुधार कार्य पूरा किया जा चुका है तथा स्टेशन भवन, प्लेटफार्म की सतह का सुधार कार्य, अतिरिक्त प्लेटफार्म शेल्टर का प्रावधान, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र आदि के सुधार कार्य शुरू किए गए हैं।
- सुब्रमण्य रोड स्टेशन पर, स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म की सतह का सुधार कार्य, अतिरिक्त प्लेटफॉर्म शेल्टर का प्रावधान, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र, नए ऊपरी पैदल पुल के निर्माण आदि कार्य शुरू किए गए हैं।

(ii) मंगलूरु क्षेत्र में संपर्कता में सुधार करने के लिए, जोकट्टे-तोकुर दोहरीकरण परियोजना (2 कि.मी.) को मंजूरी दे दी गई है। इसके अलावा, 03 सर्वेक्षण कार्य अर्थात् शिवमोग्गा-श्रृंगेरी-मंगलूरु नई लाइन परियोजना (332 किलोमीटर), हसन-

मंगलूरु दोहरीकरण परियोजना (247 किलोमीटर) और षोरणूर-मंगलूरु तीसरी और चौथी लाइन परियोजना (307 किलोमीटर) को भी मंजूरी दी गई है।

(iii) दिनांक 01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, मंगलूरु क्षेत्र सहित कर्नाटक राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 3,840 किलोमीटर कुल लंबाई और 47,016 करोड़ रुपए की लागत पर 31 परियोजनाएं (21 नई लाइनें और 10 दोहरीकरण) हैं, जो योजना निर्माण और कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से 1,302 किलोमीटर लाइन को कमीशन किया गया है और मार्च, 2024 तक 17,383 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है।

******